भारत को डिजिटल इंडिया बनाने के लिए एक लाख करोड़ का बजट : सर्राफ

- **शिक्षा के क्षेत्र में मणिपाल एज्यूकेशन ग्रुप का अहम योगदान**
- **भारत विश्व में 2 नंबर पर है 602 डिजिटल लाइब्रेरी के साथ**

जयपुर, (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को डिजिटल इंडिया बनाने में एक लाख करोड़ का बजट निर्धारण किया है। मोदी ने 15 अगस्त को डिजिटल इंडिया का नारा दिया जिसका उद्देश्य भारत के प्रत्येक नागरिक एवं यूथ को सरकार से जोड़ना एवं देश के विकास में भागीदारी निभाना है। साथ ही हम सबको मिलकर इसे साकार करना है। इसके तहत 2013 में भारत की डिजिटल जनसंख्या 205 मिलियन थी जिसे 2015 तक 300 मिलियन करने का लक्ष्य निर्धारण किया गया है। यह बात प्रदेश के तकनीकी शिक्षा एवं उच्च शिक्षामंत्री कालीचरण सर्राफ ने कही।

वे मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर के दहमीकला स्थित कैंपस में लाइब्रेरिज प्रोफेशनल एसोसिएशन-एलपीए नई दिल्ली एवं मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में डीजिटल इंडिया लाईब्रेरिज की थीम पर दो दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस आई कोल-2015 के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। परंपरागत पुस्तकालयों में प्रिंटेड सामग्री महंगी एवं भारी भरकम है जिसे सस्ता एवं हल्का डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से किया जा सकता है। कार्यक्रम में मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर के प्रेसिडेंट प्रो. संदीप संचेती ने एलपीए को बधाई देते हुए डिजिटल लाइब्रेरी की उपयोगिता एवं चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर बगरू विधायक कैलाश वर्मा ने कांफ्रेंस के आयोजन की सराहना की। एलपीए के प्रेसिडेंट डॉ. एम. नटराजन ने एलपीए की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। एलपीए के सेकेट्री सलेक चंद ने कहा कि प्रतिभागियों के बिना कांफ्रेस अधूरी रहती है एवं उन्होंने 200 प्रतिभागियों के इस कांफ्रेंस में भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में कांफ्रेंस की प्रोसिडिंग वोल्यूम एवं डॉ. नटराजन द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

शिक्षामंत्री कालीचरण सराफ ने मणिपाल विश्वविद्यालय के दहमीकला स्थित कैंपस में डिजिटल इंडिया लाईब्रेरिज की थीम पर आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस आई कोल-2015 का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में एलपीए अवार्ड भी दिए गए। इसमें डॉ.किरण तिवारी,डॉ. अनिता गंगराडे, डॉ.अनिता को बेस्ट कोर्डिनेटर का अवार्ड, आनंद को एलपीए लीडरशिप अर्वाड, बेस्ट स्पांसरशिप का अवार्ड विकमैन प्राइवेट लिमिटेड के मनीष झा, आईआईटी रूड़की के योगेंद्र सिंह को बेस्ट लाइब्रेरी अवार्ड, बेस्ट स्कूल लाइब्रेरी का अवार्ड जेएंडके की रेनुगुप्ता को शिक्षामंत्री कालीचरण सर्राफ ने दिया।

बेस्ट कॉलेज लाइब्रेरी का अवार्ड रिचा गुप्ता को बगरू एमएलए कैलाश वर्मा, बेस्ट पेपर का अवार्ड इंदू धवन को डॉ. नटराजन एवं दलिप सिंह को प्रो. कुमकुम गर्ग ने दिया। अनिल झरोटिया को बेस्ट पब्लिसिटी अवार्ड, प्रतिभा व्यास को प्रथम रजिस्ट्रेशन के लिए प्रो. संदीप संचेती ने दिया। डॉ. कौशल को प्रथम रिसर्च पेपर सॉमिट करने का अवार्ड प्रो. कुमकुम गर्ग ने दिया। बेस्ट कोरपोरेट लाइब्रेरी के लिए डॉ.सदाबिहारी साहू को डॉ.बर्नडमार्क शैफल ने अवार्ड देकर सम्मानित किया।